Delhi Milk Scheme and Mother Dairy, Delhi are as under :—

	Staff Strength (No.)	Annual Wage Bill (Rs. in crores)
Delhi Milk Scheme	2295	7.60
Mother Dairy	658	4.83

(b) The comparative production of milk by the Delhi Milk Scheme and Mother Dairy, Delhi during 1992-93 is under:—

	(Figure in lakh litres)
Delhi Milk Scheme	1,581.55
Mother Dairy	2,028,05

(c) Mother Dairy is making a rterninal profit. . The Delhi Milk Stheme is, however, incurring loss. The losses are mainly due to fixation of sale price of DMS milk at lower rates than the cost of production.

(d) Various steps have been taken by DMS to improve the financial position by better utilisation of installed capacity, effecting econo-nffe in the consumption of various utlities/consumables like polythene petrol, etc. rationalisation of distribution routes and revision of sale price of milk from time to time.

licences for private milk units

667. MISS SAROJ KHAPARDE: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that many private units invovlved in the supply of Milk and Milk Products in Delhi has yet to procure licences for the 'supply of milk ;

(b) if so, the details thereof : and

(c) what remedial action Government have taken/propose to take'in this regard ?

553 RS—4

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARVIND NETAM) : (a) No licence is required from the Central Government for supply of milk and milk products in Delhi.

(b) and (c) Does not arise.

किसानों के लिये सहकारी समितियां

668. **श्री राम जेठमलानी :**
डा० जितेन्द्र कुमार जैन:

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि इस देश में अधिकांश किसान या तो सीमान्त किसान हैं या छोटे किसान हैं;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि भूमि क्षेत्र कम होने तथा विकसित तकनीक को प्रयोग में लाने में असफल होने के कारण उनका कृषि-व्यवसाय अलाभकारी हो गया है;

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार ने इन किसानों की सहकारी समितियों का

गठन करके उनके माध्यम से उनकी कृषि उपज में वृद्धि करने की सम्भावनाओं का पता लगाया है; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं और क्या सरकार भविष्य में इस दिशा में उपयुक्त कदम उठाएगी ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरबिन्द नेताम) : (क) जी, हां।

(ख) चूंकि अधिकांश छोटे और सीमांत किसानों की भू-जोतें अनार्थिक हो गई हैं, अतः अपने कृषि उत्पादन, उत्पादकता और लाभकारिता में वृद्धि करने के लिए विकसित प्रौद्योगिकी को अपनाना उनके लिए संभव नहीं है।

(ग) सरकार ने इन किसानों को रियायती दर पर ऋण, बीज, उर्वरक व कीटनाशियों जैसे निवेशों की आपूर्ति करने के लिए सहकारी समितियों को कारगर एजेन्सियों के रूप अभिज्ञात किया है। इसके अलावा, किसानों को अपने कृषि उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि करने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से भारत सरकार समर्थन मूल्य पर कृषि उत्पादों की बिक्री की व्यवस्था कर रही है।

(घ) प्रश्न ही नहीं उठता।

कृषि उत्पादन में वृद्धि करने के लिये अनुसंधान कार्य

669. **श्रीमती सुषमा स्वराज :**
डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में कृषि उत्पादन में वृद्धि करने तथा उसका विकास करने के लिए विभिन्न प्रकार के अनुसंधान कार्य किये जा रहे हैं;

(ख) क्या यह भी सच है कि अनुसंधान कर्ताओं को इस क्षेत्र में पर्याप्त सफलता प्राप्त हुई है;

(ग) यदि हां, तो इन अनुसंधान केन्द्रों पर हुए अनुसंधानों के दौरान हासिल उत्पादन-दर में तथा इन अनुसंधानों के आधार पर किसानों द्वारा खेती के दौरान हासिल उत्पादन-दर में अत्यधिक अन्तर है ;

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार का इस क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए जिला-स्तर पर किसानों को पर्याप्त प्रशिक्षण देने का विचार है, और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है और यदि हां, तो प्रस्तावित योजना की रूपरेखा क्या है ?

गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय में राज्य मंत्री और कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री का अतिरिक्त प्रभार (श्री एस० कृष्ण कुमार) : (क) जी हां।

(ख) जी हां।

(ग) जी हां।

(घ) और (ङ) जी हां, किसानों को कृषक प्रशिक्षण केन्द्रों (कृ० प्र० के०) और कृषि विज्ञान केन्द्रों (कृ० वि० के०) द्वारा पर्याप्त प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

कृ० प्र० कें० और कृ० वि० कें० कृषि के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करते हैं जिनमें फसल उत्पादन, पशुधन उत्पादन, बागवानी, मात्स्यिकी और गृह विज्ञान शामिल है।

दिल्ली दुग्ध योजना के बूथों पर दुग्ध वितरण संबंधी व्यवस्था :

670. **श्रीमती सुषमा स्वराज :**
डा० जिनेन्द्र कुमार जैन

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विगत छः माह के दौरान दिल्ली दुग्ध योजना की प्रतिदि